राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

डॉ० राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल, ब्लॉक–6, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर–302017

दूरभाष नं. 0141–2701596 E-mail: rajssaquality@gmail.com

क्रमांक : रा.स्कूल.शि.प./जय/गुणवत्ता/ कला उत्सव 2020–21/16259 दिनांक : 28/10 /2020

कला उत्सव सत्र 2020–21 हेतु दिशा–निर्देश

कला उत्सव स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग शिक्षा मंत्रालय की माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में कलात्मक प्रतिभा को पहचाने उसे पोषित करने, प्रस्तुत करने, कला को बढावा देने की पहल है। कला शिक्षा (संगीत, नाटक, नृत्य, दृश्य कलाऐं एंव ललित कलाएँ) के सन्दर्भ में की जा रही यह पहल राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा 2005 की अनुशंषाओं पर आधारित है।

समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना 2020–21 में अनुमोदित गतिविधि कला उत्सव का आयोजन नवाचारी गतिविधि के रूप में किया जाना है। जिसके लिये वार्षिक योजना में जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजन हेतु 12.00 लाख रूपये के बजट का प्रावधान अनुमोदित है।

इस गतिविधि को आयोजित करने के लिये निम्न निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें :–

- कला उत्सव 2020 का केन्द्र बिन्दु किसी भी पारम्परिक/शास्त्रीय/लोक/समकालीन कलारूपों, शैलियों से सम्बन्धित होगा।
- यह गतिविधि राज्य के समस्त राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु विद्यालय/जिला/राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जायेगी।
- कला उत्सव 2020 का आयोजन **ऑनलाइन मोड के माध्यम से** किया जायेगा।
- एक विद्यार्थी एक ही गतिविधि (कला) में भाग ले सकेगा।
- कला उत्सव के प्रत्येक स्तर पर नौ विधाओं को प्रतियोगिता में शामिल किया जायेगा।
- **प्रत्येक कला क्षेत्र की प्रस्तुति/प्रतियोगिता एकल रहेगी, प्रतियोगिता में निम्नलिखित कलारूप सम्मलित किये गये है –**

क्र.स	श्रेणी	प्रविष्टि	विवरण
1	संगीत (गायन) शास्त्रीय संगीत	1 छात्र एवं 1 छात्रा	हिन्दुस्तानी/ कर्नाटक संगीत
2	संगीत (गायन) पारंपरिक लोक गीत	1 छात्र एवं 1 छात्रा	कोई भी शैली/ उपभाषा
3	संगीत (वादन) शास्त्रीय संगीत	1 छात्र एवं 1 छात्रा	हिन्दुस्तानी/ कर्नाटक संगीत
4	संगीत (वादन) पारंपरिक लोक गीत	1 छात्र एवं 1 छात्रा	कोई भी शैली/ उपभाषा
5	नृत्य – शास्त्रीय नृत्य	1 छात्र एवं 1 छात्रा	शास्त्रीय विधाऐं
6	नृत्य –लोक नृत्य	1 छात्र एवं 1 छात्रा	किसी भी प्रान्त का पारंपरिक लोक नृत्य
7	दृश्य कला (द्वि–आयामी)	1 छात्र एवं 1 छात्रा	चित्रकला एवं प्रिन्ट
8	दृश्य कला (त्रि–आयामी)	1 छात्र एवं 1 छात्रा	मूर्ति कला
9	स्थानीय खिलौने एवं खेल	1 छात्र एवं 1 छात्रा	पारंपरिक खिलौने एवं खेल

- विद्यालय स्तर पर कला उत्सव का आयोजन दिनांक 5–7 नवम्बर 2020 के मध्य (एक दिवसीय) किया जाना हैं।
- विद्यालय स्तर पर प्रत्येक क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं की सूचना दिनांक 10 नवम्बर 2020 तक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा को भिजवाई जानी है।

www.rajteachers.com

- जिला स्तर पर कला उत्सवों का आयोजन दिनांक 23–25 नवम्बर 2020 के मध्य (एक या दो दिवसीय) किया जायेगा।
- जिला स्तर पर प्रत्येक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन कर दिनांक 30 नवम्बर 2020 तक परिशिष्ट–01 में राज्य स्तर पर भिजवाया जायेगा।
- राज्य स्तर पर कला उत्सव आयोजन की सूचना, आयोजन स्थल एवं दिनांक की सूचना पृथक से प्रेषित कर दी जायेगी।
- राज्य स्तर पर कला उत्सव आयोजन कराने के इच्छुक जिला अपने जिले का नाम परिषद को 30 अक्टूबर तक भिजवावें।
- राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव का आयोजन एनसीईआरटी, नई दिल्ली के निर्देशानुसार किया जायेगा।

कला श्रेणीयाँ का प्रस्तुतीकरण

क्र.स	श्रेणी	वीडियों प्रविष्टि समय
1	संगीत (गायन) – शास्त्रीय संगीत	4 से 6 मिनिट
2	संगीत (गायन) – पारंपरिक लोक गीत	4 से 6 मिनिट
3	संगीत (वादन) – शास्त्रीय संगीत	4 से 6 मिनिट
4	संगीत (वादन) – पारंपरिक लोक गीत	4 से 6 मिनिट
5	नृत्य – शास्त्रीय नृत्य	4 से 6 मिनिट
6	नृत्य –लोक नृत्य	4 से 6 मिनिट
7	दृश्य कला (द्वि–आयामी)	4 से 6 मिनिट
8	दृश्य कला (त्रि–आयामी)	4 से 6 मिनिट
9	स्थानीय खिलौने एवं खेल	4 से 6 मिनिट

वित्तीय प्रावधानः–

विद्यालय स्तर

- विद्यालय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं के आयोजन का व्यय एस. डी. एम. सी. के माध्यम से जन सहयोग से किया जायेगा।
- विद्यालय स्तर पर प्रत्येक विधानुसार (छात्र/छात्रा) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता को क्रमशः 250 रू., 150 रू. व 100 रू. राशि का पुरस्कार दिया जायेगा।

जिला /राज्य स्तर पर व्यय प्रावधान एवं राशि हेतु पृथक से स्वीकृति जारी की जायेगी।

निर्णायक मण्डल

1. विद्यालय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में निर्णायक मण्डल में – संस्था प्रधान के अतिरिक्त एक महिला शिक्षक एवं एस.डी.एम.सी. की सहमति से एक कला विशेषज्ञ को शामिल किया जायेगा।
2. जिला स्तर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा की अध्यक्षता में निर्णायक मण्डल का गठन होगा – जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी (मा.शि.), प्रधानाचार्य डाइट एवं कला क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल किया जाये।
3. राज्य स्तर पर निर्णायक मण्डल निम्नानुसार रहेगा :–

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, (आयोजक जिला)	अध्यक्ष
जिला शिक्षा अधिकारी, मा.शि. (आयोजक जिला)	सदस्य
प्रतिनिधि, RSCERT उदयपुर	सदस्य
राज्य स्तरीय कला विशेषज्ञ	सदस्य (प्रत्येक कला श्रेणी के अनुसार)

www.rajteachers.com

प्रतियोगिता आयोजन हेतु विशेष निर्देश

1. संगीत (गायन)– एकल प्रस्तुति

संगीत गायन की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी –

1. संगीत गायन – शास्त्रीय संगीत
2. संगीत गायन – पारंपरिक लोक संगीत

सामान्य सूचनाऐं

- ❖ प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- ❖ वेशभूषा, मंच सज्जा और मंच का साज सामान, प्रस्तुति से संबंधित होना चाहिए।
- ❖ संगीत वाद्यों पर संगतकार विद्यालय के शिक्षक/छात्र हो सकते है।
- ❖ व्यावसायिक संगीत जगत के गीतों का प्रयोग वर्जित है।

मूल्यांकन प्रपत्र– संगीत (गायन) शास्त्रीय संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	बंदिश / गीत के शब्दों का उच्चारण	सृजनात्मकता / रचनात्मकता	नियमावली अनुसार प्रदर्शन	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

मूल्यांकन प्रपत्र– संगीत (गायन) पारंपरिक लोक संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	उपभाषा का उच्चारण	वेशभूषा की प्रामाणिकता	मंच सज्जा सामग्री का उपयोग	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	15	05	15	100

2. संगीत (वादन) – एकल प्रस्तुति

वादन की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी –

1. संगीत (वादन) – शास्त्रीय संगीत
2. संगीत (वादन) – पारंपरिक लोक संगीत

सामान्य सूचनाऐं

- ❖ प्रस्तुति की अवधि 4–6 मिनट की होगी।
- ❖ वेशभूषा, मंच सज्जा और मंच का साज सामान, प्रस्तुति से संबंधित होना चाहिए।
- ❖ संगत के लिए अन्य वाद्यों पर विद्यालय के शिक्षक/छात्र हो सकते है।
- ❖ पारंपरिक लोक संगीत हेतु केवल स्थानीय वाद्य–यंत्रों का प्रयोग कर सकते है।
- ❖ इलेक्ट्रोनिक वाद्य यन्त्रों का प्रयोग वर्जित है।

मूल्यांकन प्रपत्र– वादन – शास्त्रीय संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	वाद्य की सुर गुणवत्ता	वेशभूषा की प्रामाणिकता	मंच सज्जा सामग्री का उपयोग	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

मूल्यांकन प्रपत्र– वादन–पारंपरिक लोक संगीत

शैली की प्रामाणिकता	सुर	ताल	वाद्य की सुर गुणवत्ता	वेशभूषा की प्रामाणिकता	मंच सज्जा सामग्री का उपयोग	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	20	20	15	10	10	15	100

3. नृत्य एकल प्रस्तुति

नृत्य की प्रतियोगिता निम्न दो श्रेणियों में आयोजित की जाएगी –

1. नृत्य – शास्त्रीय
2. नृत्य – पारंपरिक लोक

www.rajteachers.com

सामान्य सूचनाऐं

- ❖ प्रस्तुति की अवधि 4 से 6 मिनिट होगी।
- ❖ नृत्य प्रस्तुति किसी भी श्रेणी प्रकार की प्रारंपरिक/शास्त्रीय/लोक/ समकालीन हो सकती है।
- ❖ संगीत लाइव/पहले रिकॉर्ड किया गया हो सकता है।
- ❖ वेशभूषा और मेकअप साधारण, प्रामाणिक, विषयगत और प्रस्तुति के अनुरूप ही होने चाहिए।

मूल्यांकन प्रपत्र नृत्य – शास्त्रीय

शैली की प्रामाणिकता	विवेचना	हाव, भाव	ताल	रचनात्मकता	साज – सज्जा	वेशभूषा	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	10	15	15	15	10	15	15	100

मूल्यांकन प्रपत्र नृत्य–पारंपरिक लोक

शैली की प्रामाणिकता	विवेचना	हाव, भाव	ताल	रचनात्मकता	साज – सज्जा	वेशभूषा	संपूर्ण प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	10	15	15	15	10	15	15	100

4. दृश्य कला

दृश्य कला की प्रतियोगिता निम्न तीन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी

1. दृश्य कला (द्वि–आयामी)
2. दृश्य कला (त्रि–आयामी)
3. स्थानीय खिलौने एवं खेल

सामान्य सूचनाऐं

- ❖ प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे राज्य/राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान ही मौके पर अपनी कलाकृति या आर्ट वर्क को पूरा करें।
- ❖ दृश्य कला प्रतियोगिताओं में अपने कार्य और कलाकृतियों को पूरा करने के लिए दो दिन का समय दिया जाएगा।
- ❖ नोडल अधिकारी से वह अपेक्षा की जाती है कि वह प्रतियोगिता के दूसरे दिन फाइनल कलाकृति को दी गई वेबसाइट/पते पर अपलोड करें।
- ❖ प्रतिभागी इच्छानुसार किसी भी सामग्री या माध्यम का प्रयोग कर सकते है।
- ❖ प्रतिभागी को निर्णायक मंडल के साथ ऑनलाइन बातचीत के लिए कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध होना अनिवार्य है। निर्णायक मंडल दोनों दिन प्रतियोगियों के काम का अवलोकन करेगें और उनके साथ बातचीत करेंगे।
- ❖ दृश्यकला द्वि–आयामी, त्रि–आयामी एवं स्थानीय खिलौने की आकृति एवं आकार व्यक्तिगत जरूरत के अनुसार लिया जा सकता है। ऐसे परिमाण एवं आकार का चयन करें जो दो दिन में सम्पन्न हो सकें।
- ❖ पारंपरिक खिलौने बनाने वाले प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वह खिलौने की कार्यात्मक सटीकता एवं मूल डिजाईन पर विशेष ध्यान रखें।
- ❖ खिलौने निम्नलिखित से संबंधित हो सकते है –
  - ○ कृषि औजार एवं उपकरण
  - ○ पंचतत्र की कहानियाँ, जातक कथाएँ, लोक कथाओं के चरित्र, जो प्रतिभागियों के नैतिक मूल्यों को बढाने में सहायक हो सकें। खिलौने बनाने में प्रयोग की जाने वाली सामग्री, मूल खिलौने में प्रयोग की गई सामग्री से मेल खाती हो । यदि वह सामग्री उपलब्ध नही है, या प्रतिबन्धित है, तो प्रतिभागी स्थानीय एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री का प्रयोग भी कर सकते है।
  - ○ दृश्य कला के लिए वीडियों के साथ–साथ सम्पूर्ण आर्ट के फोटोग्राफ भी ऑनलाइन प्रतियोगिता के समय प्रस्तुत करने होंगे।
- ❖ नोडल अधिकारी संपूर्ण आयोजन की रिकॉर्डिंग को अपने पास संभालकर रखें, ताकि निर्णायक मण्डल एवं राष्ट्रीय आयोजकों द्वारा माँगे जाने पर उन्हें उपलब्ध कराई जा सके।

www.rajteachers.com

मूल्यांकन प्रपत्र दृश्य कला (द्वि–आयामी)

शैली	रचना	मौलिकता	शुद्धता बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

मूल्यांकन प्रपत्र दृश्य कला (त्रि–आयामी)

शैली	उत्पाद की उपयोगिता	मौलिकता	शुद्धता बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

मूल्यांकन प्रपत्र – स्थानीय खिलौने एवं खेल

शैली	उत्पाद की उपयोगिता विकास एवं मूल्य	मौलिकता एवं प्रासंगिक रचनात्मकता	शुद्धता बारीकी	प्रविधि	समग्र छवि	प्रस्तुतिकरण	कुल अंक
10	15	20	10	10	15	20	100

सामान्य निर्देश –

- ✓ संगीत (गायन), संगीत (वाद्य वादन), नृत्य एवं चित्रकला पर वर्ष पर्यन्त कक्षा शिक्षण एवं अन्य आयोजनों के दौरान कार्य किया जाएगा।
- ✓ संगीत (गायन), संगीत (वाद्य वादन) एवं नृत्य कलाओं की प्रस्तुती के लिए 4–6 मिनट का समय निर्धारित रहेगा।
- ✓ विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए यथासंभव जन सहयोग लिया जाए तथा भामाशाहों से संपर्क किया जाए।
- ✓ प्रत्येक स्तर पर भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सहभागिता का प्रमाण–पत्र दिया जाएगा। चयनित टीम को पुरस्कार राशि के साथ विद्यालय हेतु प्रतीक चिन्हन भी दिया जाएगा।
- ✓ स्थानीय स्तर पर कार्यरत ऐसे गैर सरकारी संगठन से सहयोग लिया जा सकता है जो सामाजिक विकास में कला पक्ष पर कार्य कर रहे हैं।
- ✓ जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठन या कला संगठन जो विभिन्न कला के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, का सहयोग लिया जा सकता है।
- ✓ राज्य स्तर की प्रतियोगिता आयोजन हेतु राजस्थान संगीत कला अकादमी जैसे संस्थाओं का सहयोग लिया जावे तथा कला के क्षेत्र में कार्यरत अन्य संगठनों का सहयोग लिया जावे।

Belloo

(डॉ. भंवर लाल)
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

क्रमांक–रा.स्कूल.शि.प / जय / गुणवत्ता / कला उत्सव / 2020–21 16259 दिनांक 28/10/2020

प्रतिलिपिः– निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु –

1. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान।
2. निजी सहायक, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
3. निजी सहायक, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, निदेशालय, बीकानेर।
4. निजी सहायक, अति. राज्य परियोजना निदेशक, प्रथम / द्वितीय, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
5. निजी सहायक, निदेशक, आरएससीईआरटी, उदयपुर।
6. संयुक्त निदेशक, समग्र शिक्षा, समस्त संभाग।
7. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
8. अति. जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
9. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त ब्लॉक।
10. पदेन पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, समस्त।
11. कार्यालय प्रति।

27.10.2020

अति. राज्य परियोजना निदेशक–प्रथम

D:\d drive\2019\SIQE 2018\GUIDELINE 2020-21

www.rajteachers.com

कला उत्सव 2020–21 में प्रविष्टियों हेतु प्रारूप

भाग–क

सामान्य सूचनाऐं

1. जिला/राज्य .....
2. प्रतिभागियों का विवरण.....

क्र.स	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	लिंग महिला/पुरूष	विद्यालय का नाम व पता, पिनकोड, विद्यालय श्रेणी	कला श्रेणी

3. मान्य शिक्षक /अनुरक्षकों का वर्णन

क्र.स	शिक्षक का नाम	पद	लिंग महिला/पुरूष	विद्यालय का नाम व पता, पिनकोड, विद्यालय श्रेणी	कला श्रेणी

4. संगतकर्ता का विवरण (शिक्षक/विद्यार्थी)

क्र.स	संगतकर्ता का नाम	पद/कक्षा	लिंग महिला/पुरूष	विद्यालय का नाम व पता, पिनकोड, विद्यालय श्रेणी	कला श्रेणी

5. हिन्दी अथवा अंग्रेजी में प्रविष्टि के साथ संलग्न मूलपाठ सारांश सौ शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए।
6. प्रस्तुतियों की वीडियों फिल्म एवं कला बनाने की क्रिया की वीडियों पांच मिनिट से अधिक की नहीं होनी चाहिए।

हस्ताक्षर
प्रमाणितकर्ता

www.rajteachers.com